खण्ड-456, अंक-5
सोमवार, 14 अग्रहायण, शक संवत् 1927
(5 दिसम्बर, 2005 ई0)

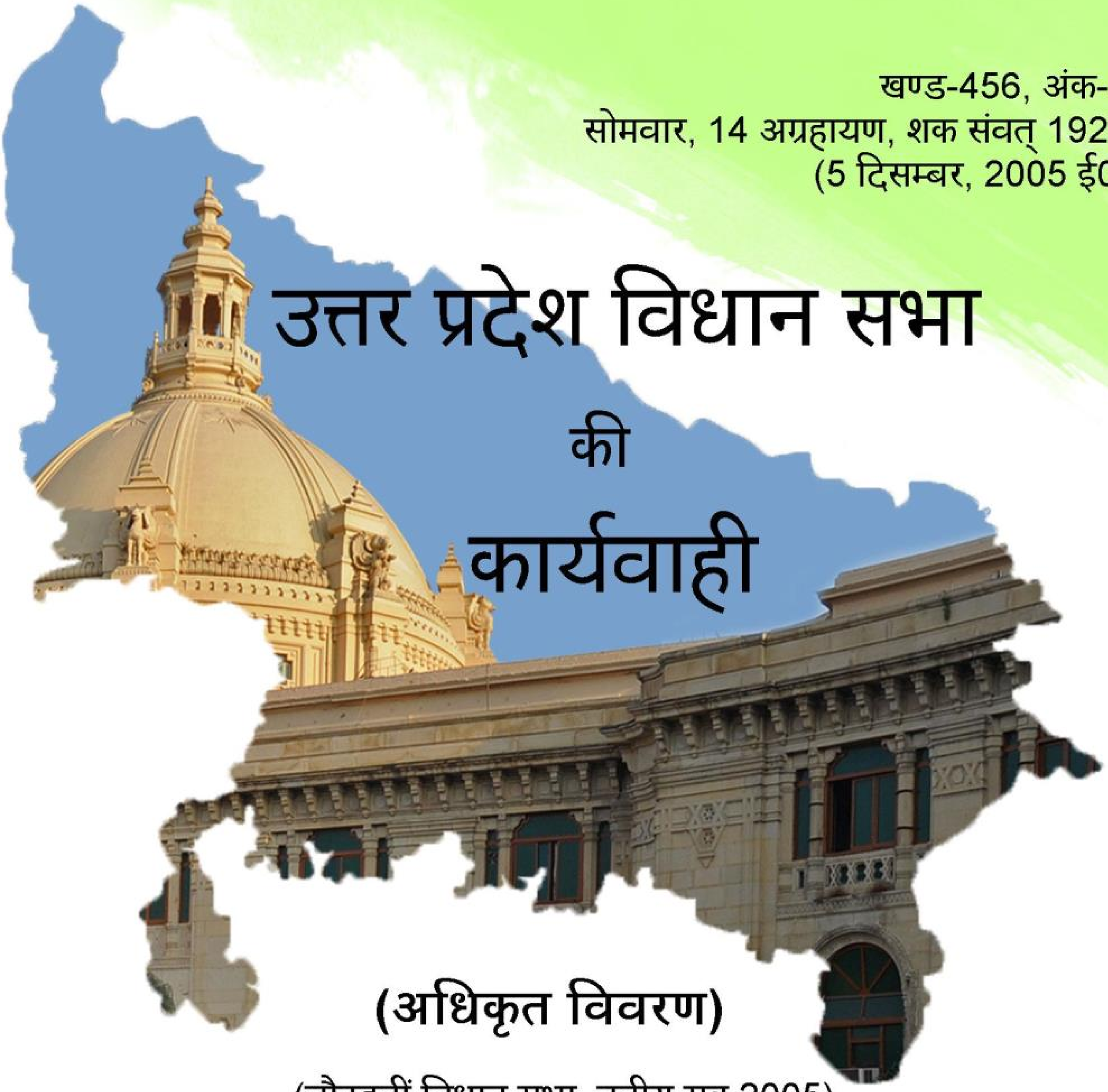

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(चौदहवीं विधान सभा, तृतीय सत्र 2005)

खण्ड 456 में 10 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2005

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे |
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 रुपये, महसूल सहित रु0 724.25 रुपये |

विषय-सूची

विषय				पृष्ठ-संख्या
उपस्थित सदस्य	...	...	...	क-ङ
वर्तमान विधान सभा के सदस्य श्री कृष्णानन्द राय के निधन पर शोकोद्गार			...	1-10

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

चौदहवीं विधान सभा

सोमवार, दिनांक 5 दिसम्बर, 2005

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11 बजे अध्यक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-278

अकीलुर्रहमान खां, श्री	मुरादाबाद
अक्षयवर लाल, श्री	बहराइच
अखिलेश कुमार सिंह, श्री	रायबरेली
अजय कपूर, श्री	कानपुर नगर
अजय कुमार, डा0	बागपत
अजीम भाई, श्री	फिरोजाबाद
अताउल रहमान, श्री	बरेली
अनार सिंह दिवाकर, श्री	एटा
अनिल कुमार पाण्डेय, श्री	सुल्तानपुर
अनिल कुमार वर्मा, श्री	सीतापुर
अनिल कुमार वर्मा, श्री	हरदोई
अनिल कुमार सिंह यादव, श्री	एटा
अनिल सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
अनुग्रह नारायण उर्फ खोखा सिंह, श्री	देवरिया
अनूप कुमार पाण्डेय, श्री	बस्ती
अन्सार अहमद, श्री	इलाहाबाद
अब्दुल मन्नान, श्री	हरदोई
अमरजीत सिंह जनसेवक, श्री	फतेहपुर
अमर सिंह परमार, श्री	आगरा
अमर सिंह यादव पुत्र श्री सुन्दर सिंह, श्री	हाथरस
अम्बिका चौधरी, श्री	बलिया
अम्बेश कुमारी, श्रीमती	महोबा
अरविन्द गिरि, श्री	खीरी
अरविन्द कुमार सिंह उर्फ गोप, श्री	बाराबंकी
अरुण कुमारी, श्रीमती	कानपुर देहात
अरुणवीर सिंह, श्री	बहराइच
अलगू प्रसाद चौहान, श्री	सन्त कबीर नगर
अवधेश कुमार वर्मा, श्री	शाहजहांपुर
अवधेश प्रसाद, श्री	फैजाबाद
अशोक सिंह चौहान, श्री	मैनपुरी
आदित्य विक्रम सिंह (बोकू सिंह), श्री	सिद्धार्थनगर
आनन्द प्रकाश लोधी, श्री	फतेहपुर
आर0 एस0 कुशवाहा, श्री	खीरी
आर0 के0 सिंह पटेल, श्री	चित्रकूट
आलम बदी, श्री	आजमगढ़
आलोक कुमार शाक्य, श्री	मैनपुरी
आशा किशोर, श्रीमती	रायबरेली
आशीष यादव, श्री	बदायूं
आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री	बदायूं
इकबाल महमूद, श्री	मुरादाबाद
इन्द्र देव सिंह, डा0	बिजनौर
उज्जवल रमण सिंह, श्री	इलाहाबाद
उदयराज यादव, श्री	उन्नाव
उमा किरन, श्रीमती	मुजफ्फरनगर
ओमकार सिंह यादव, श्री	बदायूं
ओम प्रकाश(ओ0पी0 सिंह), श्री	सुल्तानपुर
ओम प्रकाश पाण्डेय, श्री	सुल्तानपुर
ओम प्रकाश सिंह, श्री	मिर्जापुर
कमलेश कुमार, श्री	गोरखपुर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

कमाल यूसुफ मलिक, श्री	सिद्धार्थनगर
कल्यान सिंह दोहरे, श्री	कन्नौज
कामेश्वर उपाध्याय, श्री	देवरिया
कालीचरन राजभर, श्री	गाजीपुर
काशीराम, श्री	रामपुर
किरण पाल कश्यप, श्री	मुजफ्फरनगर
किरन पाल सिंह, श्री	बुलन्दशहर
किशन लाल बघेल, सेठ	आगरा
कुलदीप सिंह सेंगर, श्री	उन्नाव
कृष्ण कुमार उर्फ सतीश वर्मा, श्री	हरदोई
कृष्णा पासवान, श्रीमती	फतेहपुर
केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री	इलाहाबाद
कैलाश, श्री	गाजीपुर
कैलाश चौरसिया, श्री	मिर्जापुर
कोविद कुमार, श्री	शाहजहांपुर
कौशल किशोर, श्री	खीरी
कौशल किशोर, श्री	लखनऊ
गंगा प्रसाद पुष्कर, श्री	आगरा
गंगा बक्श सिंह, डा0	उन्नाव
गंगा भक्त सिंह, श्री	हरदोई
गया चरन दिनकर, श्री	बांदा
गीता सिंह, श्रीमती	बलरामपुर
गुलाब देवी, श्रीमती	मुरादाबाद
घूरा राम, श्री	बलिया
चन्द्र किशोर, श्री	महराजगंज
चन्द्रदेव राम यादव, श्री	आजमगढ़
चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री	श्रावस्ती
छेदीराम, श्री	गाजीपुर
छोटे लाल यादव, श्री	बाराबंकी
छोटे लाल वर्मा, श्री	आगरा
जंग बहादुर, श्री	सुल्तानपुर
जगदम्बिका पाल, श्री	बस्ती
जगदीश मिश्र बाल्टी बाबा, श्री	कुशीनगर
जगन प्रसाद गर्ग, श्री	आगरा
जगराम सिंह, श्री	मुरादाबाद
जटाशंकर सिंह, श्री	बहराइच
जय प्रकाश यादव, श्री	गोरखपुर
जय प्रताप सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
जयराम विमल, श्री	अम्बेडकर नगर
जयवीर सिंह, श्री	मैनपुरी
जियाउद्दीन रिजवी, श्री	बलिया
ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री	महराजगंज
तेजपाल सिंह, श्री	मथुरा
दद्दू प्रसाद, श्री	चित्रकूट
दयाराम, श्री	कौशाम्बी
दया शंकर वर्मा, श्री	जालौन
दिलीप कुमार वर्मा, श्री	बहराइच
दीनानाथ कुशवाहा, श्री	देवरिया
दुर्गा प्रसाद यादव, श्री	आजमगढ़
देवकी नन्दन, श्री	हाथरस
देवेन्द्र प्रताप, श्री	एटा
देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री	रायबरेली
धर्मपाल सिंह, श्री	गाजियाबाद
धर्मपाल सिंह, श्री	बरेली
धर्मेन्द्र कुमार कश्यप, श्री	बरेली
धू राम लोधी, चौधरी	हमीरपुर
नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा0	इलाहाबाद
नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री	सीतापुर
नरेन्द्र शिशौदिया, श्री	गाजियाबाद
नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री	हरदोई
नवाब सिंह नागर, श्री	गौतमबुद्ध नगर
परमेश्वर दयाल, श्री	सोनभद्र
पी0 के0 राय, डा0	कुशीनगर
पीतम राम, श्री	पीलीभीत
पूर्णमासी देहाती, श्री	कुशीनगर
प्रभु नारायण, श्री	चन्दौली

उत्तर प्रदेश विधान सभा

प्रमोद कुमार, श्री	प्रतापगढ़
प्रमोद गौड़, श्री	अलीगढ़
प्रागी लाल अहिरवार, श्री	झांसी
प्रेम पाल सिंह यादव, श्री	बदायूं
प्रेमलता कटियार, श्रीमती	कानपुर नगर
फागू, श्री	मऊ
बंशीधर राज, श्री	खीरी
बलराम यादव, श्री	आजमगढ़
बाबूराम, एम0 काम0, श्री	जालौन
बाबू लाल, श्री	गोण्डा
बाबू लाल, चौधरी, श्री	आगरा
बाबूलाल कुशवाहा, श्री	बांदा
बीजू पटनायक, श्री	गाजीपुर
बीना भारद्वाज, श्रीमती	रामपुर
बृजेन्द्र कुमार व्यास (डमडम महराज), श्री	झांसी
बैजनाथ पासवान, श्री	मऊ
बैजनाथ दुबे, श्री	गोण्डा
ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, श्री	देवरिया
भरत सिंह, श्री	बलिया
भूपेन्द्र सिंह, श्री	बदायूं
मतेश चन्द्र सोनकर, श्री	कौशाम्बी
मदन गोपाल वर्मा, श्री	फतेहपुर
मदन भैया, श्री	बागपत
मलिक मसूद, श्री	आजमगढ़
मशहूद खां, श्री	बलरामपुर
मस्तराम चौ0, एडवोकेट	उन्नाव
महबूब अली, श्री	ज्योतिबाफूलेनगर
महेन्द्र अरिदमन सिंह, राजा	आगरा
महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू, श्री	सीतापुर
महेन्द्र सिंह, चौधरी	अलीगढ़
महेन्द्र सिंह यादव, श्री	बुलन्दशहर
महेश त्रिवेदी, श्री	कानपुर देहात
महेश नारायण सिंह, श्री	इलाहाबाद
माता प्रसाद पाण्डेय, श्री	सिद्धार्थनगर
मानपाल सिंह, श्री	एटा
माया प्रसाद, श्रीमती	खीरी
मुकुट बिहारी वर्मा, श्री	बहराइच
मुकुल उपाध्याय, श्री	अलीगढ़
मुलायम सिंह यादव, श्री	बदायूं
मुंशीलाल गौतम, श्री	बुलन्दशहर
मूलचन्द्र चौहान, ठाकुर	बिजनौर
मोहन देव शंखधर, श्री	फिरोजाबाद
मोहम्मद आकिल उर्फ मुन्ना मियां, श्री	मुरादाबाद
मोहम्मद आजम खां, श्री	रामपुर
मोहम्मद इरशाद खां, श्री	लखनऊ
मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी, श्री	इलाहाबाद
मोहम्मद रिजवान, श्री	मुरादाबाद
मो0 शफीर, श्री	फतेहपुर
यशपाल चौधरी, श्री	खीरी
याकूब, हाजी	मेरट
योगेन्द्र कुमार, श्री	बदायूं
रणवीर राणा, श्री	मेरठ
रतन लाल अहिरवार, श्री	झांसी
रमापति उर्फ रमाकान्त, श्री	कुशीनगर
रमेश चन्द्र बिन्द, डा0	मिर्जापुर
राकेश कुमार वर्मा, श्री	बाराबंकी
राकेश पाण्डेय, श्री	अम्बेडकर नगर
राजनाथ यादव, श्री	वाराणसी
राजपाल त्यागी, श्री	गाजियाबाद
राजपाल सिंह सैनी, श्री	मुजफ्फरनगर
राजरानी रावत, श्रीमती	बाराबंकी
राजलक्ष्मी वर्मा, श्रीमती	बाराबंकी
राजा राम, श्री	प्रतापगढ़
राजीव कुमार सिंह, श्री	बाराबंकी

उत्तर प्रदेश विधान सभा

राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, श्री	प्रतापगढ़
राजेन्द्र प्रसाद यादव, श्री	लखनऊ
राजेन्द्र सिंह चौहान, श्री	एटा
राजेन्द्र सिंह राणा, श्री	सहारनपुर
राजेश अग्रवाल, श्री	बरेली
राजेश कुमार, श्री	खीरी
राधेश्याम जायसवाल, श्री	सीतापुर
राधेश्याम सिंह, श्री	कुशीनगर
राम अचल राजभर, श्री	अम्बेडकर नगर
राम इकबाल सिंह, श्री	बलिया
राम करन आर्य, श्री	बस्ती
राम कृष्ण, श्री	सीतापुर
राम गोविन्द चौधरी, श्री	बलिया
राम पाल यादव, श्री	सीतापुर
राम पाल वर्मा, श्री	हरदोई
राम प्रकाश त्रिपाठी, श्री	कन्नौज
राम प्रताप सिंह, श्री	गोण्डा
रामबाबू हरित, डा0	आगरा
राम बिशुन आजाद, श्री	गोण्डा
राम मगन, श्री	बाराबंकी
राम लाल अकेला, श्री	रायबरेली
रामवीर सिंह, श्री	फिरोजाबाद
राम शंकर पाल, श्री	उन्नाव
राम सेवक, श्री	सुल्तानपुर
राम स्वरूप सिंह, श्री	बिजनौर
रामहेत भारती, श्री	सीतापुर
रामेश्वर सिंह यादव, श्री	एटा
रिजवान अहमद खां, श्री	ज्योतिबाफूले नगर
रियाज अहमद, श्री	पीलीभीत
लल्लू सिंह, श्री	फैजाबाद
लालजी टण्डन, श्री	लखनऊ
लालजी वर्मा, श्री	अम्बेडकर नगर
लाल बहादुर यादव, श्री	जौनपुर
वकार अहमद शाह, डा0	बहराइच
वसीम अहमद, श्री	आजमगढ़
विजमा यादव, श्रीमती	इलाहाबाद
विजय बहादुर पाल, श्री	कन्नौज
विजय सिंह, श्री	सोनभद्र
विद्या चौधरी, श्रीमती	आजमगढ़
विद्या सागर गुप्ता,श्री	लखनऊ
विनय शाक्य, श्री	औरैया
विनोद कुमार सिंह, श्री	जौनपुर
विनोद तिवारी, डा0	पीलीभीत
विमला राकेश, श्रीमती	सहारनपुर
विशम्भर प्रसाद निषाद, श्री	बांदा
विश्राम सिंह यादव, श्री	हरदोई
वीरेन्द्र प्रताप सिंह "मुन्ना",श्री	शाहजहांपुर
वीरेन्द्र सिंह गंगवार, श्री	बरेली
वीरेन्द्र सिंह, श्री	वाराणसी
शचीन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री	सन्त रविदासनगर, भदोही
शब्बीर, श्री	बहराइच
शरदवीर सिंह, श्री	शाहजहांपुर
शहजिल इस्लाम, श्री	बरेली
शाकिर अली, श्री	देवरिया
शारदा देवी, श्रीमती	गोरखपुर
शारदा नन्द अंचल, श्री	बलिया
शाहिद मंजूर, श्री	मेरठ
शिव चरन प्रजापति, श्री	हमीरपुर
शिव पाल सिंह यादव, श्री	इटावा
शिव प्रताप यादव, डा0	बलरामपुर
शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री	महराजगंज
शिशुपाल सिंह यादव, श्री	एटा
श्याम सिंह अहेरिया, श्री	मथुरा
श्याम देव राय चौधरी, श्री	वाराणसी

उत्तर प्रदेश विधान सभा

श्याम नारायन, श्री	महराजगंज
श्याम लाल रावत, श्री	सीतापुर
श्याम सूरत उपाध्याय, श्री	इलाहाबाद
श्रद्धा यादव, श्रीमती	जौनपुर
श्रीराम भारती, श्री	मिर्जापुर
संजय गर्ग, श्री	सहारनपुर
संजीव दरियाबादी, श्री	कानपुर नगर
सतीश महाना, श्री	कानपुर नगर
सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले), श्री	मेरठ
सदल प्रसाद, श्री	गोरखपुर
सन्ध्या कठेरिया, कु0	मैनपुरी
सर्वेश कुमार उर्फ राकेश कुमार, कुं0	मुरादाबाद
सलिल विशनोई, श्री	कानपुर नगर
सिद्ध गोपाल साहू, श्री	महोबा
सियाराम सागर, डा0	बरेली
सीताराम निषाद, श्री	फैजाबाद
सुखदेवी वर्मा, श्रीमती	इटावा
सुन्दर लाल, श्री	उन्नाव
सुरेन्द्र कुमार मुन्नी, श्री	गाजियाबाद
सुरेन्द्र प्रताप सिंह, श्री	जौनपुर
सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री	रायबरेली
सुरेन्द्र सिंह पटेल, श्री	वाराणसी
सुरेश कुमार खन्ना,श्री	शाहजहांपुर
सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री	लखनऊ
सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री	लखनऊ
सुशील चौधरी, डा0	सहारनपुर
सूरज सिंह शाक्य, श्री	एटा
सोमारू राम सरोज, श्री	जौनपुर
सोवरन सिंह, श्री	मैनपुरी
स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री	रायबरेली
हरि प्रताप सिंह, श्री	प्रतापगढ़
हीरा लाल गौतम, श्री	आजमगढ़
हुकुम सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
होशियार सिंह, श्री	बुलन्दशहर

नोट :- सिंचाई मंत्री (श्री मुन्ना सिंह चौहान), उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (श्री राम आसरे विश्वकर्मा) एवं बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (श्री अजीत कुमार राजू) भी सदन में उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

वर्तमान विधान सभा के सदस्य श्री कृष्णानन्द राय के निधन पर शोकोद्गार

श्री अध्यक्ष-

मा0 मुख्यमंत्री जी।

मुख्य मंत्री (श्री मुलायम सिंह यादव)-

अध्यक्ष महोदय, यह दुखद अवसर है जब हम सदन में श्री कृष्णानन्द राय जी को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। विधि का विधान है कि हम जितने भी हैं, उनको एक दिन यह देखना पडता है, मौत का दिन देखना पड़ता है। लेकिन जिन परिस्थितियों में घात लगाकर और घेरकर कृष्णानन्द राय जी की हत्या की गयी है, कायरतापूर्ण हत्या वह एक अक्षम्य अपराध है। हम आश्वस्त करना चाहते हैं कि अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही ही नहीं बल्कि कड़ी से कड़ी कार्यवाही करके सजा दिलाने के लिये हम संकल्पित हैं। हम सब दुखी हैं और पूरे सदन से अनुरोध करना चाहते हैं कि इसे अन्यथा न लें। बहुत से मौके हैं, जहां राजनीति करने के लिये हम लोगों के लिये मैदान पड़ा है, लेकिन इस प्रकार की हत्या हम लोग रोकें। यह तभी रोकी जा सकती है जब सभी मिलकर के, सदन के सभी नेता मिलकर के और जनसहयोग लेंगे। हमें जनता का मनोबल बढ़ाना होगा। आज उनके प्रति और उन सात लोगों के प्रति, इसमें सुरक्षा में लगे जवान भी हैं और उनके सहयोगी भी हैं, उनके प्रति हमारी संवेदना है। हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि स्व0 कृष्णानन्द राय जी के परिवार, जो भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी साथी मारे गये और जो सुरक्षा बल के जवान मारे गये हैं, उनके परिवार के प्रति हमारी शोक संवेदना भेजें। हम उनके दुख में शामिल हैं। यद्यपि कोई नापसन्द कर सकता है, लेकिन हमारी जिम्मेदारी है कि दुख में भागीदारी निभायें। हम कृष्णानन्द जी के परिवार को 11 लाख, जो जवान मारे गये हैं उनके परिवार को दस लाख तथा जो अन्य मरे हैं उनके परिवार को दो लाख उनके बच्चों के लिये कर रहे हैं। कृष्णानन्द राय जी के बच्चे विदेश में पढ़ने जाने की तैयारी कर रहे हैं। यह सब हम सरकार की तरफ से सहायता कर रहे हैं। हमारी आपसे प्रार्थना है कि जो कृष्णानन्द राय जी, और जो जवान मारे गये हैं एवं उनके सहयोगी मारे गये हैं, के परिवार तक हमारी श्रद्धांजलि पहुंचाने की कृपा करें।

* नेता, विरोधी दल (श्री लालजी टण्डन)-

मान्यवर, हम अपने साथी और इस सम्मानित सदन के सदस्य, श्री कृष्णानन्द राय जी एवं उनके साथ अन्य सात लोगों की नृशंस हत्या से दुखी हैं। हम सब आक्रोशित हैं और यह स्वाभाविक इच्छा होगी हमारी कि मुख्य मंत्री जी ने जो घोषणा की है यह उनकी सदाशयता है, लेकिन हमारी एक ही मांग थी कि एक बार इसका पर्दाफाश हो जाना चाहिये क्योंकि बिहार से

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अब इधर जिस तरह के तत्व आ रहे हैं, और जो मिल रहे हैं यहां के, इन सबको मिलाके एक अपराधियों का बहुत बड़ा संगम बनने जा रहा है जो कभी भी, आज पता नहीं किसके ऊपर कब क्या बीत जाय ? इसी सदन में एक बार चर्चा हो चुकी है कि मेरी गाड़ी के ऊपर विस्फोटक फेंका गया था तो उस समय के एस0 एस0 पी0 ने कह दिया था कि वह तो कोई कंकड़ी रही होगी जो गाड़ी के नीचे आ गई होगी और वह फूट गई होगी, लेकिन मान्यवर, उसकी फोरेंसिक जांच रिपोर्ट आ गई है, आप मंगवा कर देख लीजिये, वह केमिकल बम था। सौभाग्य से वह फूटा नहीं, नहीं तो पता नहीं आज इस सदन में मैं भी नहीं होता, तो मान्यवर, जब यह स्थिति हो जायेगी कि जाने किसके ऊपर कब आ जाये तो बेहतर यह होगा कि एक बार इसके साथ कठोरता के साथ निपटा जाये और निपट तब सकते हैं जब बिल्कुल बिना दबाव के उसकी जांच हो जाये और इसीलिये हमने सी0 बी0 आई0 जांच की मांग की थी। सी0 बी0 आई0 की मांग करने के पीछे कोई और बात नहीं है, वही पुलिस इधर भी है और वही पुलिस उधर भी है, लेकिन यहां का जो स्थानीय प्रशासन पर या जो जांच एजेन्सी यहां की हैं उनके ऊपर जो दबाव इन अपराधी तत्वों का बना हुआ है उससे निष्पक्ष जांच पर कहीं न कहीं संदेह पैदा होता है और रोज आप अखबारों में पढ़ते हैं इस तरह की घटनायें आ रही हैं कि किसी की जमीन किसी के नाम लिख दी गई, किसी की हत्या, किसी के घर में हुई है, उसी के नाम पुलिस ने रिपोर्ट लिख दी। इसी तरह की घटनायें बराबर अखबारों में देखने को मिलती हैं। तो मान्यवर, मैं यही चाहता हूं कि यह दूध का दूध और पानी का पानी हो जाना चाहिये, एक बार सही स्थिति सामने आये तो। कृष्णानन्द राय की हत्या जिस रूप में की गई हो, हत्या तो ठीक है, किसी की भी हो सकती है, लेकिन 200 राऊण्ड से ज्यादा गोलियां चलाई गई और शायद यह निश्चय करके आये थे कि किसी भी दशा में इसको बचने नहीं देना है। सारे विदेशी हथियार, वह प्रोहीबीटेड बोर जो यहां पर किसी को अपने पास रखने में टाडा में और पोटा में जिन्हें बन्द किया जाता हो, उन लोगों को, उन्होंने खुलकर उन हथियारों का इस्तेमाल किया है। जहां इस तरह से हथियारों का इस्तेमाल होगा, जो किसी आम नागरिक के लिये या किसी विशिष्ट नागरिक के लिये वह हथियार रखना जुर्म है वह हथियार खुलकर इस्तेमाल होना और 27 गोलियां उस व्यक्ति को लगीं अब आप अनुमान लगा सकते हैं जैसे फिल्मों में हम देखते हैं कि कैसे हत्यायें हो रही हैं और किस-किस तरह के हथियार इस्तेमाल किये जा रहे हैं, उसी तरह का वहां भी हुआ, तो यह क्या हम सबके लिये, पूरे सदन के लिये, हमारे सिस्टम के लिये यह चिन्ता का विषय है कि नहीं कि हम जड़ से उखड़ जायें। आप अगर उसको इस तरह का कुछ करेंगे तो हम आपसे वादा करते हैं कि हमारा पूरा सहयोग, हमारे दल का सहयोग आपको मिलेगा, लेकिन एक तरह से जिद हो जाती है कभी-कभी कि हम यह तो नहीं करेंगे बाकी और कुछ कर देंगे तो बाकी आप सब कर दें, लेकिन उनके परिवार के लोगों को और उनके सहयोगियों को, उनकी पार्टी को अगर इससे संतोष नहीं है तो आपको यह मान लेना चाहिये, मेरा यह अनुरोध था, बाकी मान्यवर, मैं उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, उनके

परिवार को यह महान दुःख सहन करने के लिये ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। मान्यवर, इस तरह की घटनायें दोबारा न हों उसके लिये एक सक्षम कार्यक्रम बनाये जाने के लिये अपेक्षा भी करता हूं।

मान्यवर, जो सात लोग उनके साथ और मारे गये थे, जो पुलिस कर्मी मारा गया, मैं उनके लिये और उनके परिवार के लिये भी अपनी शोक संवेदना प्रकट करता हूं।

*श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

माननीय अध्यक्ष जी, विधायक श्री कृष्णानन्द राय जी के निधन पर माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष, ने जो शोक संवेदनायें व्यक्त की हैं उससे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और मान्यवर, आपके माध्यम से बहुत ही विनम्रता के साथ और दुःख के साथ यह कहना चाहता हूं कि साल भर के ही अन्तराल पर लगातार इस तरीके से जनप्रतिनिधियों की हो रही हत्यायें हमारे प्रदेश के लिये बहुत ही चिन्तनीय और सोचनीय विषय है, अहम और गम्भीर विषय है और इस पर सामूहिक रूप से चिंतन करने की आवश्यकता है। आज अभी कृष्णानन्द राय जी इसी सत्र के दौरान हम लोगों के साथ बीच में बैठते थे और 29 तारीख को दिन दहाड़े जिस तरीके से अति आधुनिक हथियारों से लैस बदमाशों ने श्री राय जी को और उनके अंगरक्षक सहित कुल सात अन्य सदस्यों को मौत के घाट उतारा है यह अपने में जहां एक ओर अपराधियों के हौसले बुलन्द होने का संकेत देता है वहीं पर हम पूरे प्रदेश वासियों को इससे सावधान हो जाना चाहिये कि आज इस प्रदेश में अपराधियों के हौसले इतने बुलन्द हो गये हैं आम जनता क्या वह तो घास, मूली और गाजर की तरह काटी जा रही है, जनप्रतिनिधि भी नहीं बच पा रहे हैं। और, इससे पूरे प्रदेश में भय और दहशत का एक अजीब वातावरण है और साथ ही साथ विशेष रूप से मैं माननीय नेता सदन जी से इस बात की अपेक्षा करता हूं कि इस पर बहुत ही गम्भीर और ठोस कार्यवाही करने की आवश्यकता है। हम नित्य-प्रति इस तरीके से शोक संवेदनायें व्यक्त करके अपने दायित्वों की इतिश्री समझ ले इतना ही पर्याप्त नहीं है। आखिर इसकी पुनरावृत्ति कब तक होती रहेंगी ? इसी सदन में अभी साल भर भी नहीं बीता कि राजू पाल जी के विषय में शोक संवेदना व्यक्त की गयी। उसके कुछ अन्तराल पर ही हमारे विधान परिषद् के सदस्य श्री अजीत सिंह की हत्या का मामला सामने आया और उस के कुछ पूर्व हमारे सदस्य घनश्याम शुक्ल जी की हत्या, साजिशवश दुर्घटना दिखा कर, कर दी गयी यद्यपि उसकी सी0 बी0 आई0 जांच चल ही रही है वह भी दुःखद घटना हुई।

मान्यवर, इस तरह से उत्तर प्रदेश के कुछ विधायकों की हत्या एक दुःखद स्थिति की ओर इंगित करती है। नेता सदन जी के संज्ञान में मैं यह भी लाना चाहता हूं कि इस प्रदेश की

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जो जर्जर कानून व्यवस्था की हालत है और अभी-अभी पंचायत चुनावों के बाद प्रधान, बी0 डी0 सी0 के मेम्बर और जिला पंचायत के सदस्यों की, उसमें कुछ हारने वालों की संख्या है और कुछ जीतने वालों की संख्या है, ऐसे लोगों की निरन्तर हत्यायें हो रही हैं और कुछ चेयरमैन की भी हत्यायें हुई हैं, इस तरह से जो बड़े पैमाने पर हत्याओं की घटनाएं हैं उससे दहशत की भावना बढ़ती है कि उत्तर प्रदेश की जनता पूर्णतः असुरक्षित है। मान्यवर, इसमें ठोस कार्यवाही करने की आवश्यकता है और हमें उस प्रशासन की उस कमजोर नब्ज को जिससे इन घटनाओं को बढ़ावा होने का मौका मिल रहा है। उस पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। साथ ही साथ वह कौन सी ऐसी परिस्थितियां है जब हम उसके खुद जिम्मेदार है। नेता सदन से मैं अपेक्षा करता हूं, उसके खुद हम जिम्मेदार है। जब हम किसी कुख्यात अपराधी को महात्मागांधी के बराबर लाकर खड़ा कर दें तो स्वाभाविक है कि जो भी माफिया, गुण्डें होंगे हौसले बुलन्द होंगे अपराध बढ़ेंगे। हम अपनी स्व-राजनीतिक स्वार्थसिद्धि के लिये इस प्रकार जो वर्तमान राजनीति की शुरुआत हुई है इस पर पूर्णतः अंकुश लगाना होगा। जो कुख्यात गुण्डा, माफिया, अपराधी हैं, जो कानून की नजर में अपराधी है, दलगत भावना से ऊपर उठ करके किसी भी राजनीतिक दल से क्यों न जुड़े हो उनके खिलाफ कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिये और अगर कठोर कानूनी कार्रवाई नहीं की जायेगी तो इस प्रकार के हादसे दर हादसे दिन प्रतिदिन होते रहेंगे। इसलिये मान्यवर, आपके माध्यम से मैं केवल इतना निवेदन करना चाहता हूं कि हमें पुनः इस सदन में इस प्रकार की दुखद घड़ी का सामना न करना पड़े। इसलिये मैं इस पर नेता प्रतिपक्ष जी से कुछ कठोर होने का निवेदन करना चाहता हूं कि कानून का पालन सुनिश्चित कराने के लिये वह कठोरतम कार्रवाई करें और इसी के साथ ही साथ मान्यवर, मैं अपनी ओर से, बहुजन समाज पार्टी की ओर से विधायक कृष्णानन्द जी के निधन पर उनके शोकसंतप्त परिवार के प्रति शोकसंवेदना व्यक्त करता हूं। यद्यपि राय जी की कमी हमेशा हमें खलेगी। अभी बहुत ही नौजवान थे, ऊर्जावान थे, हमने अपना अच्छा राजनीतिक साथी खो दिया है। उनके निधन से जो सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में कमी आई है वह बहुत ही अपूरणीय क्षति है, हम उसकी भरपाई नहीं कर सकते लेकिन इसके बावजूद यदि हम इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये सचेत होंगे, सावधान होंगे, ठोस कार्रवाई करेंगे तो स्वाभाविक है कि सही मायने में यह उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि होगी। हम पुनः बहुजन समाज पार्टी की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुये आपसे निवेदन करते हैं कि हमारी भावनाओं को उनके शोकसंतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें। साथ ही साथ विधायक राय जी के साथ में जो उनके अन्य साथी, जिसमें सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं और अन्य उनके कार्यकर्ता साथी भी मौजूद रहे हैं, हम उनको भी अपनी ओर से और बहुजन समाज पार्टी की ओर से शोकसंवेदना व्यक्त करते हैं और मान्यवर, आपसे निवेदन है कि उनके परिवारजनों तक हमारी भावनाओं को पहुंचाने की कृपा करें।

* श्री प्रमोद कुमार-

माननीय अध्यक्ष जी, श्री कृष्णानन्द राय जी के निधन पर जो भावनायें आदरणीय नेता सदन ने, आदरणीय नेता विरोधी दल ने आदरणीय नेता बहुजन समाज पार्टी ने व्यक्त की है, मैं उससे अपने आपको और अपनी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, पीड़ा, दुख और रोष का यह वातावरण है, कष्ट का है और स्वाभाविक ही है जब अपना कोई साथी इस तरह विदा लेता है तो मान्यवर, पीड़ा होना स्वाभाविक है। मान्यवर, जब यह समाचार प्राप्त हुआ उस समय मान्यवर, एक बारगी स्तब्धकारी समाचार था मान्यवर, यह स्तब्ध रह गये जिसने जहां सुना। मान्यवर, श्रद्धांजलि व्यक्त करना सिर्फ औपचारिकता न रहे, मैं समझता हूं कि सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी अध्यक्ष जी, माननीय कृष्णानन्द राय जी के प्रति, अगर माननीय नेता सदन ने जो एक नई शुरुआत की है, जिस तरह से सहयोग दिया है आपसी सहयोग की घोषणा की है, कड़ी जांच का वायदा किया है वह मान्यवर, निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। परन्तु मेरा एक अनुरोध है कि सच्ची श्रद्धांजलि कृष्णानन्द जी के प्रति यही होगी कि माननीय नेता सदन एक सर्वदलीय बैठक बुला लें, अपनी सुविधानुसार अगले सत्र के पहले। उसमें इस पर विचार अवश्य किया जाना चाहिये कि राजनीति के अपराधीकरण को कैसे रोका जाय, अपराधियों को महिमामंडित करने से कैसे रोका जाय, कैसे मान्यवर, इस पर अंकुश लगाया जाय, ताकि इन घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके तो माननीय नेता सदन से आग्रह करूंगा कि अपनी सुविधानुसार जब उचित समझें, सभी दल के नेताओं की बैठक बुला लें और सभी दलों की यह जिम्मेदारी बन जायेगी कि दलों के बंधन से ऊपर उठकर, अगर इस पर अंकुश नहीं लगा तो प्रजातंत्र नहीं रहेगा और कुछ दिनों बाद अपराधियों का शासन होगा। प्रजातंत्र में गरीब तबके और समाज सेवा से जो लोग आते हैं, वह फिर यहां नहीं बैठ पायेंगे, यहां सिर्फ अपराधी ही दिखाई पड़ेंगे। एक मान्यवर, कटुसत्य हो सकता है, लेकिन उसे कहना भी आवश्यक है कि अपने साथ जो है, अगर वह अपराधी है तो वह राजनेता है, और अगर दूसरे के साथ है तो फिर वह अपराधी है। मान्यवर, इस विचारधारा से अलग रहना पड़ेगा। पिछले 9 सालों से मैं यही देख रहा हूं। 9 साल से जिस तरह से अपराधियों को मान-सम्मान और उन्हें महिमामंडित किया जा रहा है, आज उसकी यह चरम परिणिति हुई है। मान्यवर, कभी देर नहीं होती , चाहे इस दौर में ठहर जायें, किसी मुकाम पर ठहर जायें, बैठकर यहां बात कर लें, इसके लिये राजनैतिक इच्छाशक्ति पैदा करें, एक राजनैतिक संकल्प लें कि चाहे इसकी जो भी कीमत चुकानी पड़े, लेकिन जो अपराधी है, वह अपराधी है, न अपराधी की कोई जाति होती है, न किसी अपराधी का कोई राजनैतिक दल होता है, न उसकी कोई निष्ठा होती है, उसका धर्म-ईमान सब अपराध होता है। तो फिर कृष्णानन्द जी जैसे लोगों के निधन पर, उनकी हत्या पर हम लोगों को यहां पर न खड़ा होना पड़े। इसकी परिणिति को रोकने

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

के लिये मेरा विनम्रतापूर्वक आग्रह है कि हम इसके लिये कुछ ठोस कदम उठाये, ठोस विचार करें। जो बातें कही जा चुकी है, उन्हें दोहराना नहीं चाहता। इसके लिये कड़े कदम उठायें जायें और इसके लिये एक राजनैतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। यह काम आप सर्वदलीय बैठक बुलाकर अवश्य करें। इन्हीं शब्दों के साथ मैं जो उनके साथ लोग थे, उनके अंगरक्षक अथवा सहयोगी। 8 लोगों की हत्या निश्चित रूप से एक स्तब्ध कर देने वाली घटना है मैं सभी के प्रति अपनी ओर से अपने दल की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

*श्री तेजपाल सिंह-

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज इस दुखद घड़ी के मौके पर इस सदन के माननीय सदस्य श्री कृष्णानन्द राय जी की जो हत्या हुयी है, इसके संबंध में माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता बहुजन समाज पार्टी, माननीय नेता कांग्रेस के विचारों से अपने आपको और अपने दल राष्ट्रीय लोकदल को सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, आज बड़े दुख का विषय है। हमारे एक साथी की हत्या हुयी है, लेकिन इसमें मैं प्रशंसा करता हूं, माननीय नेता सदन की, कि उन्होंने इसे बहुत गम्भीरता से लिया है, और वह इस विषय में बहुत गम्भीर हैं। निश्चितरूप से हमें पूरा विश्वास है कि जिन अपराधियों ने भी इस घटना को अंजाम दिया है, जिन्होंने भी इन 7-8 लोगों की हत्या की है। माननीय सदस्य के अंगरक्षक और उनके सहयोगी साथियों की जो हत्या हुई है, निश्चितरूप से इसे नेता सदन ने गम्भीरता के साथ लिया है, उन अपराधियों को पकड़ा जायेगा और निश्चितरूप से इसमें कोई कसर नहीं छोड़ी जा सकती है। एक बात मैं और कहना चाहूंगा कि चाहे कोई भी अपराधी हो, अपराधी की न कोई जाति होती है, न कोई धर्म होता है, न कोई सम्प्रदाय होता है और न ही उनका समाज से कोई रिश्ता होता है। वह दिन-रात अपराध के बारे में ही सोचता है। अपराधी के जाति केवल अपराध होता है। इसलिये अपराधी चाहे वह कोई भी हो, चाहे जितना भी बड़ा उसका कद हो, अगर वह अपराधी है तो उसे जरूर सजा मिलनी चाहिये। एक बात मैं जरूर कहना चाहूंगा कि प्रकृति ने पूरी दुनिया में जितने भी जीवधारी बनाये हैं, उन सभी जीवधारियों में केवल मनुष्य ही ऐसा विवेकशील जीवधारी है, जिसे प्रकृति ने दो हाथ दिये हैं, यह दो हाथ किसी और जीवधारी को नहीं दिये गये हैं। मनुष्य को यह दो हाथ इसलिये मिले हैं, जिससे मनुष्य अपनी आवश्यकता के अनुसार आविष्कार कर सके, ज्यादा से ज्यादा तरक्की कर सके। और ज्यादा से ज्यादा आविष्कार कर सके। लेकिन जब अपराधी प्रकृति के लोग इन हाथों का सदुपयोग करने के बजाय दुरुपयोग करने लगते हैं, अपराध में लिप्त होकर इन हाथों का दुरुपयोग करते हैं तो वह स्थिति समाज के लिये बहुत ही दुःखदायी हो जाती है। एक बात मैं और कहना चाहूंगा कि महावीर प्रसाद द्विवेदी बहुत बड़े लेखक हुए हैं, उन्होंने एक जगह लिखा है कि 'राजा राज नहीं करता है, बल्कि राजा का इकबाल राज करता है।' इस

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

प्रकार से यह बहुत जरूरी हो जाता है कि ऐसे मामलों में सख्त से सख्त कार्यवाही हो और उस गम्भीरता को आज नेता सदन ने दिखाया भी है। क्योंकि ऐसी स्थिति जब भी आती है तो पूरे प्रदेश की जनता में एक संदेश जाता है कि कहीं राजसत्ता से जनता का विश्वास न उठ जाए। ऐसी स्थिति में जरूरी हो जाता है कि जनता का राजा पर विश्वास बना रहे। उनका विश्वास कायम रहे और जनता का राजा पर भरोसा बना रहे। मैं माननीय नेता सदन से यह अनुरोध करूंगा कि अपराधी चाहे जो भी हो, वह किसी भी श्रेणी का हो, उन्हें किसी भी तरह से छोड़ा नहीं जाना चाहिये, जिससे कि दूसरा अपराधी अपराध करने की हिम्मत न कर सके। आज जनता में यह सन्देश जा रहा है कि जब विधायक ही प्रदेश में सुरक्षित नहीं हैं तो आखिर इस प्रदेश में कौन सुरक्षित रहेगा। इस विषय में माननीय नेता सदन बहुत चिन्हित हैं और जैसा कि हमारे नेता राष्ट्रीय कांग्रेस ने सुझाव दिया है, इस विषय पर सभी दलों की एक बैठक बुला करके इस बात पर मनन किया जाये कि आखिर अपराधों को कैसे रोका जाए ? कैसे लोगों की सुरक्षा की जाए ? हमारे साथी कृष्णानन्द राय जी नौजवान थे और 50 साल में ही हमारे बीच से चले गये। वह भारतीय जनता पार्टी के टिकट से चुनाव जीतकर आये थे, मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और परमपिता परमेश्वर से यह प्रार्थना करता हूं कि वह हमारे साथी, जो मारे गये हैं, उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे। इसी के साथ मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से यह प्रार्थना करूंगा कि हमारे साथ जो हमारे बीच से चले गये हैं, स्वर्गीय कृष्णानन्द राय जी और उनके जो साथी इस घटना में मारे गये हैं, उन साथियों की आत्मा को भी परमपिता परमात्मा शान्ति प्रदान करे। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और साथ ही मैं यह भी चाहूंगा कि हमारे सभी साथी इस मामले को गम्भीरता से लें, ताकि इसकी पुनरावृत्ति न हो सके।

* श्री राम स्वरूप सिंह (बिजनौर)-

अध्यक्ष महोदय, जो शोक संवेदनाएं हमारे नेता सदन, नेता विरोधी दल, नेता बहुजन समाज पार्टी, नेता कांग्रेस पार्टी और नेता लोकदल ने व्यक्त की है, उनसे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करते हुए दुःख व्यक्त करता हूं और उनके प्रति शोक व्यक्त करते हुए यह कामना करता हूं कि हम मानव जाति के लोगों में मानवता आये। यह दुःख का विषय है कि जब से संसार बना है, तबसे मानव ने प्राकृतिक और अन्य विरोधी शक्तियों को कन्ट्रोल करके मानव की रक्षा करने के प्रयास किये हैं। और उसमें मानव सफल भी हुआ है लेकिन उन चीजों पर तो हम गम्भीरता से ध्यान दे रहे हैं कि मानव की रक्षा तमाम विरोधी जानवरों से, प्राकृतिक आपदाओं से अपने को सुरक्षित रखें लेकिन मानव ने मानव से सुरक्षा करने का अधिक प्रयास नहीं किया। आज

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मानव, मानव को मारता है। हम हिंसा को हिंसा से दबाना चाहते हैं और हिंसा पर हिंसा से कन्ट्रोल करना चाहते है। मैं इस नीति के विरुद्ध हूं। शक्ति के बल पर कभी शान्ति कायम नहीं हो सकती। यह गौतम और गांधी का देश है, अहिंसावादियों का देश है हम गहराई से अध्ययन करें, मनन करें और ईमानदारी से काम करें यह तभी सम्भव हो सकता है। इसके अलावा यह मुमकिन नहीं हो सकता। मैं अगर किसी को मारूं तो वह मुझे जरूर मारेगा। आज जो स्थिति है इसके जिम्मेदार नेता और अधिकारी रहे हैं, आम जनता इसकी जिम्मेदार नहीं है। आम जनता तो कष्ट भोग रही है। आज इतना कष्ट मानवजाति के सामने है कि 70 से 80 फीसदी लोगों के सामने रोटी की, शिक्षा की व जीविका का अपार संकट खड़ा है। हम उन्हें गम्भीरता से नहीं ले रहे हैं। इन सभी चीजों पर सभी दलों को सभी मानवों को ध्यान देना होगा। तमाम परिस्थितियां या हालात जो पैदा हुए हैं, इसके लिये कौन जिम्मेदार है ? हम जिम्मेदार होते हुए भी केवल औपचारिकता निभाते हैं। आज हमारे अन्दर मानवता और नैतिकता भी नहीं है। हम मानव होते हुए भी शैतान के बाप बन चुके हैं, इंसानियत और मानवता को खो चुके हैं। यह स्थिति आज समाज की बन चुकी है। मैं सभी सदन के नेताओं, सदस्यों और तमाम लोगों से अपील करता हूं कि इसको गम्भीरता से लेना है ताकि मानव मानव से प्यार करे। आज मानव, मानव का कत्ल कर रहा है, इसके बजूद को समाप्त करने की कोशिश हो रही है। हिंसा के बल पर आज लोग हीरो बनना चाहते हैं, दादा बनना चाहते हैं, इस प्रवृत्ति को रोकने की जरूरत है। इस पर गम्भीरता से विचार करना चाहिये। सभी लोग ऐसा समाज और वातावरण पैदा करने में सहयोग करें। इसकी पुनरावृत्ति न हो। मनुष्य, मनुष्य को मारने की कल्पना न करे यह तभी हो सकता है जब सभी चीजों पर विचार करें। आज स्थिति बहुत भयंकर है। हम अपने क्षेत्र में पैदल चलते हैं और वहां जाकर देखते हैं कि क्या स्थिति है ? आज अंगरक्षक मारे जा रहे हैं, अंगरक्षक रखते ही क्यों हो, लोग अपनी रक्षा के लिये दूसरों को मरवा देना चाहते हैं। क्या मैं मानव हूं, जो स्थिति समाज के अन्दर है इसको देखते हुए सोचने की जरूरत है। हम कहां से चले थे और किस जगह खड़े हैं ? सभी चिल्लाते हैं कि रक्षा होनी चाहिये, सुरक्षा होनी चाहिये। बुराई की बात क्यों सोचते हो, किसी के साथ बुरा बर्ताव क्यों करते हो, अत्याचार क्यों करते हो ? अपने को इस तरह से बदलें, इस तरह की सोच और समझ अपने अन्दर लायें तभी समाज में परिवर्तन हो सकता है। यह सारी चीजें तभी सम्भव हो सकती है जब मानव प्रत्येक से मानवता का बर्ताव करे और उसको मानव बनाने को सोचे और हिंसावादी बनने का अवसर न दें और मानव बनाने की परिकल्पना करे, विचार करे। सरकार भी इस समाज का मुख्य अंग है लेकिन सरकार इन सबसे परे हटकर कोई भी सरकार रही हो जब तक इस तरह की व्यवस्था नहीं होगी समाज में परिवर्तन नहीं होगा।

जब तक यह सोच पैदा करने का हम प्रयास नहीं करेंगे, इस तरह का व्यवहार नहीं करेंगे तब तक अहिंसा कायम नहीं होगी। अहिंसा को कायम करने के लिये हिंसा को रोकना होगा।

हिंसा को रोकने के लिये अहिंसा का प्रयोग होना चाहिये। यह मेरी प्रार्थना है सभी दलों से, सभी लोगों से कि हिंसा पर अहिंसा द्वारा ही विजय पा सकते हैं। यह इस देश का इतिहास रहा है, भारत का दुनियां में इतिहास रहा है कि अहिंसा द्वारा ही हिंसा पर विजय पाई जा सकती है। इस देश का जो इतिहास रहा है उसे हम भूल गये हैं। इस पर गम्भीरता से विचार करना है। इन शब्दों के साथ मैं स्वर्गीय कृष्णानन्द राय जी और उनके साथ अन्य जो लोग मरे हैं उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और आपसे अपील करता हूं कि मेरे और मेरे दल की शोक संवेदनायें सभी के परिवारों तक पहुंचाने की कृपा करें। धन्यवाद।

* श्री अखिलेश कुमार सिंह-

मान्यवर, स्वर्गीय कृष्णानन्द राय जी के प्रति मैं शोक व्यक्त करता हूं और मैं कहना चाहता हूं, अपने दल तथा अपनी ओर से, कि यह एक बहुत दुखद घटना है। दुर्भाग्य से कुछ लोग इस घटना को राजनीतिक तूल दे रहे हैं। यह प्रकृति का नियम है कि जो आया है वह जायेगा। आज हमारे कुछ साथियों ने कहा कि इस घटना की सी0बी0आई0 की इन्क्वारी की आवश्यकता है। जैसा कि प्रमोद जी ने बताया, दो मापदंण्ड नहीं हो सकते है। इस सदन में पहले भी 90 परसेंट विधायकों ने कई बार किसी घटना की सी0बी0आई0 जांच की मांग की, आज जो लोग इस घटना की सी0बी0आई0 जांच की मांग कर रहे हैं, उस वक्त इन लोगों ने विरोध किया था। मैं अपने दल की तरफ से धन्यवाद देता हूं माननीय मुख्य मंत्री जी को उन्होंने एक नई परम्परा स्थापित की स्वर्गीय कृष्णानन्द राय जी के परिवार को आर्थिक सहायता देकर और गनर के परिवारों को आर्थिक सहायता देकर। मैं अपने दल की ओरं से अपनी तरफ से कृष्णानन्द राय जी के प्रति और अन्य 6 व्यक्ति जो मारे गये हैं, उनको श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

श्री मुलायम सिंह यादव-

मान्यवर, माननीय नेता कांग्रेस ने जो कहा, बहुत जल्दी मैं नेताओं की बैठक बुला लूंगा।

श्री अध्यक्ष-

उत्तर प्रदेश विधान सभा के वर्तमान सदस्य श्री कृष्णानन्द राय की 29 नवम्बर, 2005 को अपराह्न 3.00 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई। वे लगभग 50 वर्ष के थे। श्री कृष्णानन्द राय वर्ष 2002 के सामान्य निर्वाचन में निर्वाचन क्षेत्र मुहम्मदाबाद, जिला गाजीपुर से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री कृष्णानन्द राय ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति के बाद वर्ष 1996 से सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया था। धार्मिक व्याख्यानों को सुनने में उनकी विशेष रुचि थी तथा एकान्तवास एवं स्वाध्याय उन्हें प्रिय था। श्री कृष्णानन्द राय के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है। मैं

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अपनी तरफ से उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा उनके साथ जो लोग मारे गये हैं मैं उनके प्रति भी अपनी शोक संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं आप सबकी संवेदनाओं को उनके परिवारों तक पहुंचा दूंगा। अब आप लोग अपने आसन पर दो मिनट मौन खड़े होकर श्रद्धांजलि देने का कष्ट करें।

(सदन ने दिवंगत आत्माओं के प्रति दो मिनट मौन खड़े होकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।)

श्री अध्यक्ष-

कृपया अपना स्थान ग्रहण करें। अब हम उठते हैं। 8 तारीख को 11 बजे मिलेंगे।

(इसके बाद सदन का उपवेशन पूर्वाह्न 11 बजकर 40 मिनट पर गुरुवार, दिनांक 8 दिसम्बर, 2005 को दिन के 11.00 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :

राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय,

प्रमुख सचिव, विधान सभा,

दिनांक 5 दिसम्बर, 2005

उत्तर प्रदेश।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

पी0एस0यू0पी0-एल0 384 विधान सभा (606)-17-3-2006-813 (कम्प्यूटर/आफसेट)।